当り क्रिक्रियापार पर्वादन पर्वेरवयायवार्वेद्राञ्चेत्र्यां सुरीयाव पुरवार ये वार्ये वा या *ॱ*स्वारायसर्वेररायपरपर्वेषप्रापेद्दवीदव्यास अदिग्या अर्बेन सुनु अपन्य प्रमान र नियम स्थान स्था しまたおよれて、争らもない 0.72 मुं अ छि कु व आयर प्र में विस् भू पे के मारा परियर # 100 智 वस्त्र र पक्षेत्र के द्राप्त वर्षेत्र में वर्ष वर्षेत्र के वर्षेत् विषायर्ग्यस्याच्याप्रमा ムムとんと、茶らんる... 619

`

₩ ₹40	रव पक्ष के के ने ना	र्राज्या अर्था अर्था है।	लिस्स्य स्थान	के लेट हे बाजा है वा खेळे के बाजा	पर्वे.श्रेप:स्र्	र्यान्यशिका अर्ज	
ু শুপুরা	विशक्त सम्मान्त	बार्ड्ना अवायर र र से इस्से बार र व		1. के प्राप्त के मिर्चर के बाजा	4	विरयायवर येतियाञ्चा क्	
क्रिक्रिक्ट	(चेंरीकुञ्चा अर्वेकिव्हा)	र्विद्धर्येचेष्ठप्रथा	कें रेरे ए हैं र ख़ुद य रोर्द व बार		9	ļ ļ
1 49 (\ \ \ \ \		गरपहण्यायप्यस्थार्वे हेर्न्यस्य		a a w	~ ()	' ' 9 1 ' 0 !] [
1 ,	9- 995-	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \		पर.तर्यविवर्षस्य र्यं रेग्स्य प	\ \		} }
444	१४६.व.श्या श्रीतिहरू	वेगभर द्वा तुमा विकास विकास	इयान्यान्य ्र म्	।यद्दरण'तुपर ग 'कुषाय	विषय स्थापन विषय	प्रकारप्रविधानम् ।	67

গ্ৰন্থ কি শাস্ত্ৰ পঞ্চ পশাস্থ্ৰ 2<u>11</u>9 જી E ষ্থীবন্ৰবিধ্য , बायर <u>ज</u>ैय ५८, यहँ ५ स्वाः ५ प्रवाया र्युव्यायवर्त् 3 **与科与** स्यग्रःभैत्राग्रें त्याश्चेर् स्वोध्यर्ग्यश्चर्रः वर्ति देवे गर् स्थान वर्ष द्रार्थ स्थान वर्ष है न प्रस्त से प्रस्त *<u>बर्याय</u>स्य* । अञ्चलक के निष्य अवस्थित के विषय के व कुसैमानवरर्येत्यास्त्र्वरेणञ्चलवकरकुन्तेन्यन्नेरन्नेवक्कुणयरत्युर्ने 200 ইপ্রীমার্ম্য .

62

व्रैयाम्ब्रुयवर्गेनाय्क्रवकन्त्रेन्क्यायस्य वश्चर्रेश	बुबावर्डीर.य.केस्ट्री	। लेश रायर कुंगायर भगा हु गोवय इस्था गानेयस्था वेयर सेयर गोयर
क्रियद्विषय्यायस्य स्ट्रियत्।		